दैनिक भास्कर

कोटा 03-06-2026

सिटी एंकर

आरटीयू के निर्णय से हजारों स्टूडेंट को फायदा होगा

14 साल में डिग्री पूरी नहीं की... अब अंतिम अवसर

सिटी रिपोर्टर | कोटा

आरटीयू ने बीटेक, एमबीए, एमसीए में फेल या टाइम बार हो चुके स्टूडेंट्स को डिग्री पूरी करने का एक अंतिम अवसर दिया है। आरटीयू के स्थापना वर्ष 2006 से 2020 तक आरटीयू मे प्रवेश लेने वाले छात्रों की अगर किसी कारण डिग्री अधूरी रह गई तो वे अब ड्यू पेपर क्लियर करके डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

अकादमिक परिषद और बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट ने ऐसे स्टूडेंट्स को सत्र 2025-26 के लिए विशेष मर्सी चांस देने का निर्णय लिया है। बैक क्लियर नहीं होने से डिग्री अधूरी छोड़ चुके स्टूडेंट्स को भी अवसर मिलेगा। छात्र मुख्य परीक्षा फॉर्म भरने से पहले अपने पुराने बैकलाग पेपर का पूरा रिकॉर्ड जांच लें। इंटरनल या मिडटर्म परीक्षा में अंक कम हैं तो एंड-टर्म एग्जाम के साथ-साथ इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए आवेदन करना होगा, ताकि बाद में अंक कम पड़ने से डिग्री न अटके। विशेष मर्सी चांस की परीक्षा रेगूलर परीक्षाओं से अलग होगी।

बीटेक के वर्ष 2006 से 2016 तक, लीप बीटेक के 2007 से 2017 तक, बीआर्क के 2006 से 2014 तक और बीबीए के साल 2013 से 2018 तक और एमसीए (3 वर्ष, 2 वर्ष व लैटरल एंट्री), एमबीए और एमटेक और एमआर्क के वर्ष 2006 से 2020 तक के छात्र लाभ उठा सकेंगे। एमटेक और एमआर्क के स्टूडेंट्स के लिए डिजर्टेशन या थीसिस जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च 2027 है। वर्ष 2006 में बीटेक में एडमिशन लिया और बैक बची है तो वह वर्ष 2026 में डिग्री पूरी कर सकता है।

भास्कर नॉलेज

परीक्षा नियंत्रक प्रो. विवेक पांडेय के अनुसार तकनीकी शिक्षा के नियमों (एआईसीटीई और यूनिवर्सिटी ऑर्डिनेंस) के मुताबिक कोई भी डिग्री पूरी करने की अधिकतम समय-सीमा तय होती है। उदाहरण के लिए, 4 साल के बीटेक कोर्स पूरा करने के लिए छात्र को अधिकतम 7 या 8 साल मिलते हैं। अगर स्टूडेंट इस अवधि में बैक क्लियर नहीं कर पाता तो वह टाइम-बार हो जाता है यानी तकनीकी रूप से उसका कोर्स खत्म कर देते हैं। ऐसे स्टूडेंट्स जो बिल्कुल किनारे पर आकर एक या दो पेपर की वजह से डिग्री से बाहर रह जाते हैं, उनके कॅरियर को बचाने के लिए यूनिवर्सिटी मानवीय आधार पर कुलपति के विशेषाधिकार से एक आखिरी मौका देती है। इसे ही 'मर्सी चांस' कहा जाता है।